Dainik Bhaskar (Indore), 30th July 2021, Page-2

आईआईटी प्रोफेसर ने स्टैनफोर्ड में किया दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व

इंदौर | आईआईटी इंदौर की सहायक प्रोफेसर अनन्या घोषाल ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व किया। ह्यूमैनिटीज पैडागॉजी कलेक्टिव द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य महामारी के बाद की दुनिया में सभी विषयों के शिक्षकों, विद्वानों और योगदानकर्ताओं को आपस में जोड़ना था ताकि ह्यूमैनिटीज के लिए शिक्षण की नई तकनीकों को विकसित किया जा सके। सम्मेलन में प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, नेशनल ह्यूमैनिटीज अलायंस न्यूयॉक, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बार्कले, सहित दुनिया के 25 से ज्यादा नामी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। डॉ. घोषाल ने सम्मेलन के उद्घाटन और समापन के दौरान आयोजित पैनल डिस्कशन में हिस्सा लिया।

Raj Express (Indore), 28th July 2021, Page-2

उपलब्धि

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व किया

आईआईटी की सहायक प्रोफेसर अनन्या की उपलब्धि

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने ह्यूमैनिटीज़ पेडागॉजी कलेक्टिव द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व किया। 25 से अधिक प्रमुख यूनिवर्सिटी, स्कूलों और कॉलेजों ने इसमें भाग लिया। सम्मेलन में अंग्रेजी के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनन्या घोषाल ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य महामारी के बाद की दुनिया में 21वीं सदी में शिक्षकों, विद्वानों व योगदानकर्ताओं को सभी विषयों से जोड़ना और मानविकी के लिए नए शिक्षण अन्वेषण करना था। डॉ. घोषाल सम्मेलन के उद्घाटन और समापन दोनों के लिए पैनलिस्ट थी। उन्होंने इंटीग्रेटिंग इको सिनेमा, एंड द डिजिटल एंथ्रोपोसीन इन एजुकेशनः न्यू टेम्पोरेलिटिज एंड क्रिएटिव रिस्पोंसेस पर एक वार्ता प्रस्तुत की। एक केस स्टडी के रुप में आईआईटी इंदौर की स्नातक कक्षाओं को पढ़ाने के अपने अनुभवों को आकर्षित करते हुए उन्होंने एंथ्रोपोसीन को समझने के लिए एक उपकरण के रुप में सिनेमा के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिक रुप से सूचित मानवतावादी छात्रवृत्ति अभी तक कक्षाओं में अच्छी तरह से स्थापित नहीं हुई है और विशुद्ध रुप से सैद्धांतिक व पृथ्वी आधारित, जमीनी, समावेशी दृष्टिकोणों से परे मानविकी पाठ्यक्रम में बदलाव की वकालत की। उनका उद्देश्य आउटरीच, भागीदारी, शिक्षा और संगठन के माध्यम से परिवर्तन के लिए मानव-पर्यावरीयण मुद्दों को सक्रिय हस्तक्षेपों में अर्थपूर्ण रुप से अनुवाद करना था। उन्होंने यह भी कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसी, दिन की सबसे अधिक दबाव वाली चुनौतियों का जवाब देने के लिए कक्षाओं को भी पुनर्निर्देशित किया जाना चाहिए।

सम्मेलन में यह रहे प्रमुख

सम्मेलन का आयोजन कार्यशालाओं, अनुसंधान, संगोष्ठियों, सहयोगी कार्य समूहों, शिक्षाशास्त्र प्रदर्शनों व बिजली वार्ता के द्वारा किया गया। चर्चा, नई कक्षा शिक्षाशास्त्र, प्रौद्योगिकी की भूमिका, कक्षा के स्थानांतरित स्थान और एक अधिक छात्र केंद्रित अध्यापक के बारे में विशिष्ट प्रश्नों के आसपास विकसित हुई, जिसे असंख्य ग्रंथों, संदर्भों, लोगों व विचारों में व्यापक कनेक्शन द्वारा मजबूत किया जा सकता है।

Nai Dunia (Indore), 27th July 2021, Page-3

आइआइटी की प्रोफेसर स्टैनफोर्ड के मंच पर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), इंदौर की अंग्रेजी की सहायक प्रोफेसर डा. अनन्या घोषाल ने ह्यूमैनिटीज पेडागाजी कलेक्टिव द्वारा आयोजित सम्मेलन में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महामारी के बाद की दुनिया में 21वीं सदी में शिक्षकों, विद्वानों और योगदानकर्ताओं को सभी विषयों से जोड़ना व मानविकी के लिए नए शिक्षण अन्वेषण करना था।

आयोजन में स्टैनफोर्ड विवि के साथ ही 25 से अधिक प्रमुख विश्वविद्यालयों, स्कूलों व कालेजों के अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें प्रिंस्टन विवि,

ज्ञान

- **दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व कर भारत का नाम किया रोशन**
- **उद्घाटन और समापन दोनों के लिए पैनलिस्ट बनाई गई थीं डा. घोषाल**

राष्ट्रीय मानविकी गठबंधन (एनएचए) वाशिंगटन, कैलिफोर्निया विवि बर्कले, उप्साला विवि और टोरंटो विवि जैसे संस्थान शामिल थे। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने डा. घोषाल को बधाई दी और कहा संस्थान का ऐसा वैश्विक प्रतिनिधित्व संकाय सदस्यों के अनुभव और अनुसंधान की समृद्धि को दर्शाता है। डा. घोषाल सम्मेलन के उद्घाटन और समापन दोनों के लिए पैनलिस्ट थी और उन्होंने इको सिनेमा का एकीकरण और शिक्षा में डिजिटल एंथ्रोपोसीन-नई अस्थायीताएं और रचनात्मक प्रतिक्रियाएं विषय पर बात भी की। सम्मेलन का आयोजन कार्यशाला, गोलमेज चर्चाओं, अनुसंधान संगोष्ठियों, सहयोगी कार्य समूहों, शिक्षाशास्त्र प्रदर्शनों और बिजली वार्ता द्वारा किया गया था। डा. घोषाल ने प्रिंस्टन यूनिवर्सिटी में मैकग्रा सेंटर फार टीचिंग एंड लर्निंग के सीनियर एसोसिएट डायरेक्टर डोमिनिक वोगे द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में भी भाग लेकर सभी विषयों में नैतिक मूल्यांकन के विचार की खोज के सहयोगी कार्य में योगदान दिया।